अंटार्कटिका को वहीं जाकर जान सकते हैं

White World

संसार में कुछ जगहें ऐसी हैं जहां जाने का सपना पूरा करना सबके बस की बात नहीं। मिलिए अंटार्कटिका को देखकर, महसूस करके आए मितुल दीक्षित से ...

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

दूर तक यहां सफेद बर्फ की खूबसूरती देखी जा सकती है। काले और पीले रंग में केवल पेंग्विन ही दिखाई देती हैं। बाकी सिर्फ बर्फ की सफेदी और पानी का नीला रंग। अंटार्कटिका के बारे में जितना सुना था, उससे कहीं ज्यादा सुंदरता का अहसास वहां जाकर हुआ।

पहली दफा अंटार्कटिका के बारे में सातवीं कक्षा में सुना था। ज्योग्राफी के लेक्चर में टीचर ने अंटार्कटिका के बारे में बताया था। उम्र बढ़ती गई, स्मृति में अंटार्कटिका का वही लेक्चर घूमता रहा। हर बार सोचता कि वहां जाया जाए, लेकिन कभी ऐसा अवसर नहीं मिला। कई देश घूमे, लेकिन अंटार्कटिका जाने की ख्वाहिश मन में ही रह जाती। एक दिन अंटार्कटिका में फोटोग्राफी एक्सपेडीशन के बारे में सुना। तुरंत इसमें हिस्सा लेते हुए वहां जाने की तैयारी की। वहां पहुंचते ही जो इसके बारे में सुना था पहला कदम रखते ही सच हो गया। पेंग्विन, जिन्हें पहले केवल चित्रों में देखा था, उन्हें पास से देखना एक अद्भुत क्षण था। विभिन्न आकार के आइसबर्ग और बीच पानी में तैरते कुछ जहाज, सभी को देखकर एक उत्साह मन में आया। सुना था कि यहां कई तरह की व्हेल समुद्र के तट पर आती हैं। ऐसे में अपना टेंट समुद्र के पास ही लगा लिया। रात का तापमान -25 डिग्री था। ठंड ने नींद उड़ा रखी थी। रात को टेंट से बाहर निकल पाने की हिम्मत नहीं थी, लेकिन बाहर समुद्र से कुछ आवाजें आती रहीं। ये आवाजें किलर व्हेल की थीं, जो भयानक तरीके की आवाजें निकालती हैं। ये क्षण आपको किसी और देश किसी और टापू में नहीं मिल सकते। इन्हें जीने के लिए अंटार्कटिका ही जाना पड़ेगा। ये यात्रा ऐसी थी जिसे जीवन भर भुलाया नहीं जा सकेगा।

(जैसा मितुल दीक्षित ने अपनी अंटार्कटिका यात्रा के बारे में बताया)

• अंटार्कटिका में जमी बर्फ की शिला और आसपास बिखरे बर्फ के टुकड़े।

यात्रा का असल मतलब नए अनुभव के साथ जिंदगी जीना भी है..

• इमेजिन कीजिए आप खूबसूरत बर्फीले ग्लेशियर्स से होकर गुजर रहे हैं। सुबह उठते ही आप अपने कमरे से बाहर देखते हैं तो चारों तरफ बर्फ की खूबसूरत चादर बिछी है। शिप से गुजर रहे हैं तो पेंग्विंस की कॉलोनी दिखाई दे रही है। ऐसी जगह पर आपको रहने के लिए मिल जाए तो निश्चित रूप से आप न नहीं कहेंगे। हम बात कर रहे हैं द व्हाइट कॉन्टिनेंट की, जिसका नाम है अंटार्कटिका, जो एक कॉन्टिनेंट है। इन दिनों यह एक पसंदीदा टूरिस्ट्स डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा है। इसे एक्सप्लोर करना टूरिस्ट्स के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है। ट्रेवलर एंथुजियास्ट वसीम शेख इस जनवरी इस खूबसूरत जगह को एक्सप्लोर करके लौटे हैं और चाहते हैं कि जिन लोगों को डेस्टिनेशन एक्सप्लोर करना पसंद है वो यहां जरूर जाएं। वसीम का परिवार 33 साल से ट्रेवल एंड टूरिज्म से जुड़ा है। इसलिए उन्हें भी घूमने का काफी शौक है। अब तक 7 कॉन्टिनेंट और 41 देश घूम चुके हैं। वसीम के मुताबिक यात्रा, सिर्फ एक जगह पर जाना ही नहीं होता है, बल्कि यह दुनिया के विभिन्न हिस्सों की खोज करने और एक नए अनुभव के साथ जिंदगी जीना भी है।

• यह है खास...

वसीम के मुताबिक व्हाइट कॉन्टिनेंट के सफर में हम सिर्फ क्रूज पर रहते हैं। शिप से घूमते हैं, जहां दुनिया के कुछ ऐसे खूबसूरत बर्फीले ग्लेशियर्स- केप हॉर्न और ड्रेक पैसेज, के माध्यम से होकर गुजरने का अनुभव मिलता है। टिपेरका आइलैंड पर पेंग्विंस की सबसे बड़ी कॉलोनी है।

अंटार्कटिका के बारे में...

- अब तक यहां दर्ज सबसे ठंडा टेम्प्रेचर शून्य से माइनस 89 डिग्री सेल्सियस था।
- जनवरी 1979 में एमिलियो मार्कोस पाल्मा अंटार्कटिका में पैदा होने वाला पहला आदमी था। तब से लेकर अब तक महाद्वीप में सिर्फ 10 लोग ही पैदा हुए हैं।
- यहां सिर्फ छोटे सेलिंग बोट्स या मोटर बोट द्वारा ही पहुंचा जा सकता है। एक बार में यहां 100 से अधिक यात्री उतर नहीं सकते।
- यहां कोई समय क्षेत्र नहीं है, इसलिए अंटार्कटिका में घड़ी में हमेशा शून्य रहता है।
- गर्मी में यहां 24 घंटे दिन जैसी रोशनी रहती है।